CBCS

बी.ए. ¼प्रोग्राम½ हिंदी

आधुनिक भारतीय भाषा हिन्दी (MIL Hindi)

सेमेस्टर-1

हिंदी भाषा और साहित्य – हिंदी 'क'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का उद्‌भव और विकास

(ख) हिंदी भाषा का परिचय एवं विकास

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य परिचय

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : सामान्य परिचय

इकाई-2 : भक्तिकालीन हिंदी कविता

कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, उन्नीसवां संस्करण सं. 2054 वि.

पृ. 23 दोहा 27, पृ. 29 दोहा 20, पृ. 30 दोहा 3, पृ. 30 दोहा 4, पृ. 35 दोहा 8, पृ. 39 दोहा 9.

मीराँ : मीराँबाई की पदावली, संपा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग

चौदहवां संस्करण 1892, सन् 1970 ई., पद : 1, 4, 5, 6.

इकाई-3 : रीतिकालीन हिंदी कविता

बिहारी : बिहारी रत्नाकर - संपा. : जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली, सं. 2006

दोहा : 381, 435, 438, 439, 491.

घनानंद : घनानंद ग्रंथावली; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र; वाणी वितान; सुजानहित पद 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9

इकाई 4 : आधुनिक हिंदी कविता

मैथिलीशरण गुप्त : जयद्रथ वध (प्रथम परिच्छेद) जयशंकर प्रसाद, हिमाद्रि तुंग शृंग से

नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, दिनकर : मेरे नरपति मेरे विशाल

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेंद्र
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (17 खण्ड) – नागरी प्रचारिणी सभा
- हिंदी साहित्य का आदिकाल –हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी निबंध के आधार-स्तंभ – हरिमोहन
- प्रगतिवाद – शिवकुमार मिश्र
- छठवाँ दशक – विजयदेव नारायण साही
- हिंदी नवगीत : उद्‌भव और विकास – राजेंद्र गौतम
- हिंदी गज़ल की विकास-यात्रा – ज्ञानप्रकाश विवेक
- समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

हिंदी गद्य : उद्‌भव और विकास – हिंदी 'क'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 : हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई-2 : प्रेमचंद (नमक का दरोगा), प्रसाद (पुरस्कार), मोहन राकेश (मलबे का मालिक)
मन्नू भंडारी (मैं हार गई)

इकाई-3 : बालकृण भट्ट (साहित्य जन-समूह के हृदय का विकास है), आचार्य रामचंद्र शुक्ल (उत्साह)
हजारीप्रसाद द्विवेदी (नाखून क्यों बढ़ते हैं), विद्यानिवास मिश्र (मेरे राम का मुकुट भीग रहा है)

इकाई-4 : भारतेंदु हरिश्चंद्र (अंधेर नगरी) महादेवी वर्मा (घीसा) हरिशंकर परसाई (भोलाराम का जीव)

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य सहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय

आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी बी.ए./बी.कॉम. (प्रोग्राम)

सेमेस्टर-1

हिंदी भाषा और साहित्य : हिंदी 'ख'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी का उद्‌भव : सामान्य परिचय

(ग) हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

(घ) हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई-2 : भक्तिकालीन कविता

1. **कबीर** : कबीर ग्रंथावली; संपा. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी; उन्नीसवाँ संस्करण; सं. 2054 वि.

- पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ . . .
- कस्तूरी कुंडलि बसै . . .
- यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान . . .
- सात समुंदर की मसि करूँ . . .
- साधु ऐसा चाहिए . . .
- सतगुरु हमसूँ रीझकर . . .

2. **तुलसी** : 'रामचरितमास' से केवट प्रसंग

इकाई-3 : रीतिकालीन कविता

(क) बिहारी :

- बतरस लालच लाल की . . .
- या अनुरागी चित की . . .
- सटपटति-सी ससिमुखी . . .

(ख) भूषण :

- इंद्र जिमि जंभ पर . . .
- साजि चतरंग सैन . . .

इकाई-4 : आधुनिक कविता

- सुभद्रा कुमारी चौहान – 'बालिका का परिचय'
- निराला – वर दे वीणावादिनी . . .

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
- बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा

आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी बी.ए./बी.कॉम. (प्रोग्राम)

हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास : हिंदी 'ख'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 :

- हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास
- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय

इकाई-2 :

- प्रेमचंद – बूढ़ी काकी
- प्रसाद – गुण्डा
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

इकाई-3 :

- बालमुकुंद गुप्त – मेले का ऊँट
- भारतेंदु – इंग्लैंण्ड और भारतवर्ष
- हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

इकाई-4 :

- भारतेंदु – अंधेर नगरी
- महादेवी वर्मा – बिबिया

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय

आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी बी.ए./बी.कॉम. (प्रोग्राम)

प्रश्नपत्र-1 : हिंदी भाषा और साहित्य – हिंदी 'ग'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 : हिंदी भाषा और साहित्य

- हिंदी भाषा का सामान्य परिचय
- हिंदी का भौगोलिक विस्तार
- हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकालीन एवं मध्यकालीन प्रवृत्तियाँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककालीन प्रवृत्तियाँ

इकाई-2 : भक्तिकालीन कविता

कबीर

- गुरु गोबिंद दोऊ खड़े . . .
- निंदक नियरे राखिए . . .
- कबीर संगति साध की . . .
- माला फेरत जुग भया . . .
- पाहन पूजै हरि मिले . . .
- बृच्छ कबहुँ न फल भखैं . . .

सूरदास

- मैया मैं नहिं माखन खायो . . .
- ऊधो मन न भए दस-बीस . . .

इकाई-3 : रीतिकालीन कविता

बिहारी

- मेरी भव बाधा हरौ . . .
- कनक कनक ते सौ गुनी . . .

- थोड़े ही गुन रीझते . . .
- कहट नटत रीझत खिझत . . .

घनानंद

- अति सूधो सनेह को मारग . . .
- रावरे रूप की रीति अनूप . . .

इकाई-4 : आधुनिक कविता

- मैथिलीशरण गुप्त – नर हो न निराश करो . . .
- सुमित्रानंदन पंत – आह धरती कितना देती है . . .

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुलसी काव्य-मीमांसा – उदयभानु सिंह
- बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- निराला साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
- पंत का स्वच्छंदतावादी काव्य – राजेंद्र गौतम

प्रश्नपत्र-2 : हिंदी गद्य का उद्‌भव और विकास – हिंदी 'ग'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

इकाई-1 :

- हिंदी गद्य : उद्‌भव और विकास
- हिंदी गद्य-रूपों का संक्षिप्त परिचय (कहानी, निबंध, नाटक, रेखाचित्र/संस्मरण)

इकाई-2 :

- प्रेमचंद – ईदगाह
- भीष्म साहनी – चीफ की दावत

इकाई-3 :

- बालकृष्ण भट्ट – ज़बान
- शरद जोशी – होना कुछ नहीं का
- शिवपूजन सहाय – गाँव की अनिवार्य आवश्यकताएँ

इकाई-4 :

- महादेवी वर्मा – गिल्लू
- विष्णु प्रभाकर – वापसी
- विश्वनाथ त्रिपाठी – गंगा स्नान करने चलोगे? ('गंगा स्नान करने चलोगे' पुस्तक से अंश)

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
- छायावादोत्तर हिंदी गद्य सहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा
- निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय